

पर्यावरण को संरक्षित व संवर्धित करने के संकल्पित होने की ज़रूरत



रायपुर-छ.ग. प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रकाश चन्द्र पाण्डे ने कहा कि वर्तमान समय प्रदूषण इतना विकराल रूप ले चुका है कि हरेक को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने की ज़रूरत है। पर्यावरण को संरक्षित और संवर्धित करने के लिए जहाँ पर भी खाली जगह मिले वहाँ पेड़ लगाकर प्रकृति से जुड़ें। श्री पाण्डे ब्रह्माकुमारीज द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि हम लोग विकास की दौड़ में अपने धरातल को छोड़कर आगे बढ़ रहे हैं। यह दौड़ हमें पाश्चात्य संस्कृति की ओर ले जा रही है। किन्तु अब हमें फिर से अध्यात्म की ओर

लौटने की ज़रूरत है। उन्होंने रेड सिग्नल पर गाड़ी बंद करने और अनावश्यक हॉर्न न बजाने की सलाह देते हुए बताया कि इस तरह से छोटी-छोटी चीज़ों का ध्यान रखकर हम पर्यावरण संरक्षण के कार्य में अपना योगदान दे सकते हैं। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण पर गम्भीरता से विचार करने की ज़रूरत है। प्रकृति ने हमें दैनिक उपयोग के लिए सारी चीज़ें दी हैं किन्तु जब हम उनका बेतहासा दोहन करने लग पड़ते हैं तब समस्या पैदा होती है। प्रकाश चन्द्र पाण्डे और ब्र.कु. कमला दीदी ने शान्ति सरोवर में वृक्ष लगाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. वनिशा और ब्र.कु. किरण दीदी भी उपस्थित रहीं।

शांतिकुंड से निकलती विश्व शांति की किरणें



गिरि रोड-ब्रह्मपुर(ओड़िसा)

ब्रह्माकुमारीज शांतिकुंड की 31 वीं वर्षगांठ के अवसर पर एम. के. सी.जी. चिकित्सा अस्पताल के इनडोर परिसर में कोविड प्रभावित मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले भोजन वितरण सेवा का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रो. डॉ. भारती मिश्रा, विभागाध्यक्षा, स्त्री रोग, एम. के. सी.जी. मेडिकल कॉलेज, ने इस महामारी काल में ब्रह्माकुमारियों की महानता के कार्य का वर्णन किया, जब दुनिया शायद मानव जाति के इतिहास के सबसे बुरे दौर में से एक देख रही है। ब्रह्मपुर के एस.पी., आई.पी.पिनाकी मिश्रा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा विश्व शांति के लिए उठाया गया

साहसी कदम अवश्य ही एक दिन दुनिया में विश्व भाईचारा, शांति, प्रेम और खुशी की स्थापना कर एक लंबा रास्ता तय कर अवश्य ही अपने मुकाम तक पहुंचेगा। मुख्य

कोविड से प्रभावित मरीजों व उनके परिजनों को एक सप्ताह तक भोजन वितरण कर मनाई ब्रह्माकुमारीज शांतिकुंड की 31वीं वर्षगांठ।

अभियंता ऋषिकेश पटनायक ने इस शुभ अवसर पर इस समाज के आध्यात्मिक उत्थान के लिए बधाई दी। कर्नल गोविंद राव, आर्मी ए.डी. कॉलेज, गोलाबन्ध ने लोगों को इस कठिन समय में अपनी

आध्यात्मिकता विकसित करने के लिए उत्साहित किया। राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू, उपक्षेत्रीय निदेशिका, ब्रह्मपुर और राजयोगिनी ब्र.कु. माला, निदेशिका पी.यू. आर.सी., बी.ए.एम., मुख्य वक्ता और समन्वयक के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में स्त्री रोग सहायक प्रो. डॉ. इंदिरा पालो, एम.के.सी.जी. मेडिकल कॉलेज, प्रवास राजू, कुना पाणिग्राही एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य कृष्णा च. संरक्षक भी उपस्थित रहे। राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. माला और डॉ. भारती मिश्रा ने दिव्य भोजन व भोजन राहत के साथ मास्क और सैनिटाइजर भी वितरित किए। इस मेडिकल कॉलेज में प्रतिदिन हजारों लोगों ने लाभ लिया।

नैतिक मूल्यों को अपनाने का दिया संदेश

अम्बाला आज तक मातृ दिवस पर शरीर को जन्म देने वाली तथा शरीर की पालना करने वाली माँ का हम सम्मान करते आये, लेकिन इस मानव जीवन में हमारी और भी अनेक माँ हैं भारत माँ, प्रकृति माँ, पूज्य देवी माँ, आध्यात्मिक माँ तथा परम माँ अर्थात् परमात्मा। उक्त विचार राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शैली दीदी ने मातृ दिवस के उपलक्ष्य में युवा प्रभाग तथा ब्रह्माकुमारीज अम्बाला कैम्प के द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में रखे। उन्होंने ये

कैम्प ने चरित्रवान व नैतिक मूल्यों से सम्पन्न माँ बनने का संदेश दिया। तभी भारत देश पूरे विश्व में महान देश बन सकेगा। डॉ. सोनिका, सीनियर गायनोलॉजिस्ट, चंडीगढ़ ने कहा कि अपने दैनिक दिनचर्या में बच्चों को आत्मनिर्भर करें तथा कुछ समय अपने मातृपिता के लिए भी अवश्य निकालें, और साथ ही साथ ये भी बताया कि राजयोग एक ऐसी पद्धति है जो हमारे मन को सशक्त बनाती है। वेबिनार में उपस्थित अतुल शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, महाराज अग्रसेन

'समाधान - आपकी बात अपनों के साथ' पर वेबिनार



ग्वालियर-म.प्र. ब्रह्माकुमारीज द्वारा 'समाधान- आपकी बात अपनों के साथ' ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में ब्र.कु. प्रहलाद भाई ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यदि तन और मन को स्वस्थ रखना है तो हमें अपने विचारों पर नियंत्रण रखना होगा। अगर हमारे मन में व्यर्थ विचार आ रहे हैं तो उसका हमारे जीवन पर भी प्रभाव पड़ेगा। जीवन में परिस्थितियां तो आयेंगी परन्तु हर परिस्थिति में अपनी सोच को समर्थ बना लिया जाये तो जीवन को बेहतर ढंग से जिया जा सकता है। डॉ. स्वाति जोशी ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय जो भय का वातावरण बना हुआ है इससे निकलना हमारे लिए अति आवश्यक है, क्योंकि डर अपने आप में बहुत सारी बीमारियों को जन्म दे रहा है। इस डर से निकलने के लिए उन्होंने दो चीज़ें बताईं, एक तो हमारा ईश्वर के ऊपर विश्वास और दूसरा स्वस्थ मन। थोड़ा समय अपने लिए प्रतिदिन निकालें

जिसमें तन को स्वस्थ रखने के लिए प्राणायाम और एक्सरसाइज आदि करें और मन के लिए राजयोग का अभ्यास करें। उन्होंने अपने अनुभव के आधार से बताया कि कोई भी परेशानियां अगर आ भी रही हैं तो अपने मन को शांत रखें, तो आप आसानी से उस परेशानी का रास्ता निकाल पाएंगे। कार्यक्रम में ब्र.कु. ज्योति दीदी ने अपने विचार रखते हुए बताया कि हर व्यक्ति को थोड़ा समय ध्यान (मेडिटेशन) अवश्य करना चाहिए। इससे हम पूरा दिन शांत और खुश रह सकते हैं। आज अधिकतर लोगों ने अपना रिमोट कंट्रोल परिस्थिति के हाथों में दे दिया है। जीवन में परिस्थितियां तो आयेंगी ही लेकिन उनसे घबराना नहीं चाहिए, बल्कि आप अच्छा क्या कर सकते हैं वह करें। बाकी सब ईश्वर पर छोड़ दें तो सब अच्छा हो जायेगा। दीदी ने सभी को मेडिटेशन कराकर गहन शांति की अनुभूति कराई। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु. प्रहलाद ने किया तथा अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।



भी कहा कि अब परम माँ से संबंध जोड़कर उनके असीम प्यार का अनुभव करें। साथ ही राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से परम माँ के संबंध का सुंदर अनुभव भी कराया। राजयोगिनी ब्र.कु. कृष्णा दीदी, सेवाकेन्द्र संचालिका, अंबाला

यूनिवर्सिटी ने अपने मन के भाव रखते हुए कहा कि माँ हमारे जीवन में भगवान के महत्व को समझाती है। वेबिनार का कुशल संचालन कुमारी सुमनलता ने किया। 450 से अधिक लोगों ने वेबिनार का लाभ लिया।